ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-06-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-06-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-06-28	2023-06-29	2023-06-30	2023-07-01	2023-07-02
वर्षा (मिमी)	8.0	10.0	8.0	20.0	12.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	32.0	32.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	24.0	25.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	80	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	50	45	45	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	10	10	6	8
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	70	110	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	6	8	7	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (20-26 जून) में 18.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31.6 से 40.0 डिग्री सेल्सियस और 23.5 से 29.3 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। आसमान साफ रहने साथ-साथ कभी कभी बदलो से भी घिरा रहा। सुबह 7.12 बजे सापेक्ष आर्द्रता 70 से 98% और शाम को 14.12 बजे सापेक्ष आर्द्रता 40 से 85% रही। हवा की गति 0.9 से 7.1 थी और हवा की दिशा अधिकतर पूर्व-उत्तर-पूर्व और पूर्व थी। आगामी पांच दिनों का पूर्वानुमान 27.06/2023 से 02.07.2023 तक 8-20 मिमी के बीच हल्की से मध्यम वर्षा दिखाता है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31-34 डिग्री सेल्सियस और 24-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इस अवधि के दौरान हवा की गति 8-14 किमी प्रति घंटे के बीच होगी और दिशा मुख्य रूप से पूर्व और पूर्व-उत्तर-पूर्व होगी।

सामान्य सलाहकार:

23/06/2023 से 06/07/2023 तक उत्तराखंड जिले में विस्तारित सीमा पूर्वानुमान के अनुसार सामान्य वर्षा दर्शाता है जो -2 से -16% के बीच सामान्य से अतिक्रम कर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मानचित्र से संकेत मिलता है कि एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो जिले में मध्यम कृषि शक्ति का प्रतीक है। पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करने की सलाह दी जाती है और बिजली की जानकारी पाने के लिए सलाह "दामिनी ऐप" द्वारा पायी जा सकती है । मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता)से डाउनलोड किए जा सकते हैं। मानसून आने वाला है भाई ख्याल रखें कि मानसून की पहली बारिश में जानवरों को भीगने न दें क्यूंकि यह त्वचा सम्भन्धी बिमारियों को न्योता देता है ।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिन बदल चाहे रहेंगे और हलकी से माध्यम बारिश रहने के आसार है, जिससे खेती-किसानी को नुकसान नहीं होगा। रोपाई शुरू होने वाली है इसलिए किसानों को उचित सिंचाई और जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	स्टेज: नर्सरी नर्सरी में 0.5% Zn So4 में 2% यूरिया मिलाकर डालें। नर्सरियों में गैप फिलिंग की जानी चाहिए। उर्वरकों का प्रयोग बुआई के समय 1/4 N तथा पूर्ण P एवं K के रूप में करना चाहिए। यदि गोबर का उपयोग किया जा रहा है तो 15-20 दिन पहले डालें और 1/2 एन (10-15 किग्रा.) का प्रयोग करें। बासमती एवं सुगंधित चावल की नर्सरी 30 जून तक पूर्ण कर लें। बासमती एवं सुगधित धान की पौध 30 जून तक डाले। धान की पौध मे 4-5 पत्ति हो जाय तो इनकी रोपाई कर सकते है। यह अवस्था जल्दी पकने वाली प्रजातियो मे 18 दिन बाद तथा मध्यम अवधि की प्रजातियो मे 20-25 दिन बाद पर आती है। धान की पौधशाला मे पौध उखाड़ने से 24 घंटा पहले 4-6 सेमी0 पानी भरना चाहिए। एक-एक पौध को सावधानी से उखाड़े तथा जड़ की धुलाई कर उसकी अविलम्ब रोपाई करे। खेत मे कीचड़ बनाना शुरु करने से 15 दिन पहले खेत की सिंचाई करें ताकि खरपतवारो का जमाव हो जाये। फिर खेत मे कीचड़ बनाने से 10-12 घंटा पहले पानी भर कर ट्रकटर में केज व्यूल तथा खुटी दार हैरो से 2-3 बार जुताई करे। पाटा लगाकर खेत को समतल करे। लेवल करने के 10-15 घंटे बाद रोपाई करें। माध्यम अवधी वाली किस्मो की रोपाई जुलाई के प्रथम सप्ताह में तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों की [रोपाई जुलाई के तीसरे सप्ताह तक पूरी की जानी चाहिए ।
मक्का	ख़रीफ़ मक्का: बुआई ख़रीफ़ मक्का की बुआई का सर्वोत्तम समय जून का दूसरा पखवाड़ा है। बीज बोना मक्का की क्लस्टर किस्में जैसे तरूण, नवीन, किरण, नवजोत, प्रताप मक्का-1, पूसा क्लस्टर 3 और 4. बीज दर 18-20 किग्रा/हेक्टेयर रखें और 60-75 सेमी की दूरी पर बोएं। कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
सोयाबीन	स्टेज :बुआई सोयाबीन की बुवाई का भावर एवं तराई में उपयुक्त समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई प्रथम सप्ताह तक है। सोयाबीन की उन्नत प्रजातियों पी एस- 1024, पी एस- 1042, पी एस- 1092, पी एस 1241, पी एस 1347, पी एस 1225, पी एस 19 आदि का प्रयोग करें। बीज दर 75किग्रा/है0 रखें। बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें।
गन्ना	गन्ने की फसल में जलभराव वाले खेतों में जल निकास की व्यवस्था करें| माह के प्रथम सप्ताह में जड़ों पर हल्की मिट्टी चढ़ायें। फसल बढ़वार अच्छी होने पर 5 फीट की ऊंचाई पर बंधाई कर लें।
मूँगफली	मूंगफली की उन्नतशील प्रजातियों- यों टा0 64, चन्द्रा, कौशल, प्रकाश, अम्बर आदि की बुवाई पूर्ण करें। बीज दर 60-70 कि0 ग्रा0/है0 रखें। पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 30-45 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10-20 सेमी रखें। उर्वरको में नत्रजन 20 किग्रा0, फास्फोरस 40 किग्रा0 और पोटाश 45 किग्रा0/है0 तथा 200 किग्रा0 जिप्सम व 4 किग्रा0 बोरेक्स का प्रयोग करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
कद्दू	स्टेज: तुड़ाई कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
हल्दी	स्टेज:बुवाई बुवाई के तुरंत बाद 125-150 कुंतल प्रति हेक्टर सूखी पत्तियों की पलवार बिछानी चाहिए। हल्दी छाया पसंद पौधा है और यह 50 % छाया देने से सबसे अधिक उपज करता है। सिंचाई आवश्यकता अनुसार करें क्यूंकि बारिश का पूर्वानुमान भी जारी किया गया है।
अदरक	स्टेज:बुवाई अदरक की बुवाई के समय प्रकंदो को मिटटी से ढकने के बाद पलवार से ढकना आवश्यक है और इस पलवार की मोटाई 5-7 सेमी होनी चाहिए।
मिर्च	स्टेज: तुड़ाई मिर्च में थ्रिप्स के नियंत्रण हेतु लैम्डा साइहैलोथ्रिन 5 इसी 300मि0ली0/है0 या फिप्रोनिल 5 एस0सी0 1लीटर/है0 की दर से छिड़काव के सात दिन बाद ही मिर्च का प्रयोग करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
टमाटर	चरण: तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर को पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाइ ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए करना चाहिए।
भिण्डी	स्टेज: तुड़ाई किसानों को पहले से ही पका हुए ओकरा की मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार तुड़ाई करनी चाहिए। बारिश के बाद सफेद मक्खी का प्रकोप होने की संभावना रहती है जो मोज़ेक वायरस फैलाते हैं इसलिए किसानों को इन पर ध्यान देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकिक्यों इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें।
भेंस	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकिक्यों इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें।